



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

लोक सेवकों का प्रयास समाज के आखिरी व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने पर केंद्रित होना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष/FOCUS OF CIVIL SERVANTS SHOULD BE ON BRINGING ABOUT CHANGE IN LIFE OF THE LAST PERSON IN THE SOCIETY: LOK SABHA SPEAKER

...

लोक सेवक अपने कार्यों में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास करें: लोक सभा अध्यक्ष CIVIL SERVANTS SHOULD TRY TO ASSOCIATE MORE AND MORE PEOPLE IN THEIR WORK: LOK SABHA SPEAKER

...

लोक सेवक तकनीक के प्रयोग से अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव सुनिश्चित करें: लोक सभा अध्यक्ष/CIVIL SERVANTS SHOULD USE TECHNOLOGY TO ENSURE CHANGE IN LIFE OF LAST PERSON IN THE SOCIETY: LOK SABHA SPEAKER

...

लोक सभा अध्यक्ष ने संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के संबंध में भारतीय प्रशासनिक सेवा- 2021 बैच और रॉयल भूटान सिविल सर्विस के प्रशिक्षु अधिकारियों हेतु आयोजित परिबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया/LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES ORIENTATION PROGRAMME FOR TRAINEE OFFICERS OF INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE-2021 BATCH AND ROYAL BHUTAN CIVIL SERVICE ON PARLIAMENTARY PRACTICES AND PROCEDURES

नई दिल्ली, 11 जून 2022: संसद परिसर में संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के संबंध में भारतीय प्रशासनिक सेवा- 2021 बैच और रॉयल भूटान सिविल सर्विस के प्रशिक्षु अधिकारियों हेतु आयोजित परिबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए लोक सभा श्री ओम बिरला ने कहा कि देश के विकास और शासन व्यवस्था में लोक सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसीलिए उन्हें इस बात को ध्यान में रखना होगा कि उनके निर्णयों का असर जन साधारण के जीवन पर पड़ेगा।

उन्होंने युवा लोक सेवकों का आवाहन किया कि उनका प्रयास समाज के आखिरी व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत वर्ष 2047 में जब अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा हो, तो हम सभी मानदंडों पर विश्व में सबसे ऊपर रहें, भारत एक समर्थ, सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र के रूप में विश्व का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उनका दायित्व है कि वे इस विजन को साकार करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें।

यह उल्लेख करते हुए कि कानूनों के निर्माण में प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, उन्होंने सुझाव दिया कि लोक सेवक पुराने बने हुए कानूनों का अध्ययन करें, यह देखें कि कौन से कानून आज समय के साथ प्रासंगिक नहीं रह गए हैं और जिन्हें परिवर्तित किए जाने की आवश्यकता है। वे आम जन की सुविधा को देखते हुए ऐसे कानूनों में बदलाव कर सकते हैं या जरूरत हो, तो उन्हें निरस्त भी कर सकते हैं।

श्री बिरला ने आगे कहा कि 21वीं सदी के भारत का सबसे बड़ा लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत का, आधुनिक भारत का, समृद्ध भारत का, सशक्त भारत का एवं समर्थ भारत का है। उन्होंने परामर्श दिया कि जब लोक सेवक फील्ड में काम करेंगे, तो उनको असली फील मिलेगी। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता का मूलमंत्र होगा कि वे अपने कार्यों में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास करें, अधिक से अधिक सामाजिक संगठनों को जोड़ें, यहां तक कि समाज का आखिरी व्यक्ति भी उनके प्रयासों का हिस्सा होना चाहिए, उसे भी यह लगना चाहिए कि वह समाज का एक महत्वपूर्ण भाग है। श्री बिरला ने विचार व्यक्त किया कि भारत जैसे देश में सफलता के लिए हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंदर जनभागीदारी ही हमारे विकास और सफलता का आधार है। जनभागीदारी मात्र लोकतान्त्रिक संस्थाओं के

लिए ही नहीं है बल्कि प्रशासनिक संस्थाओं के लिए भी है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम प्रशासन में जनभागीदारी को कैसे बढ़ाएं, कैसे जनता को उनके लिए बनाए जा रहे नीतियों और कार्यक्रमों से जोड़ा जाए।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि लोक सेवकों के लिए सौभाग्य का विषय है कि आज तकनीक की महत्ता इतनी अधिक हो गई है कि हमारे जीवन के हर क्षेत्र में उसका अधिक से अधिक उपयोग हो रहा है। पिछले 200 साल में टेक्नोलॉजी ने मानव जाति पर जितना प्रभाव पैदा नहीं किया है, उतना पिछले 40 वर्षों में ही कर दिया है। गवर्नेंस में भी टेक्नोलॉजी का बहुत बड़ा उपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा का पूरा उपयोग करके अंतिम व्यक्ति को लाभ पहुँचाया जाये।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2021 बैच के 181 प्रोबेशनर तथा रॉयल भूटान सिविल सर्विस के 2 प्रशिक्षु अधिकारी इस परिबोधन कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

New Delhi, June 11, 2022: Inaugurating an Orientation Programme for trainee officers of the Indian Administrative Service-2021 batch and the Royal Bhutan Civil Service on Parliamentary Practices and Procedures in the Parliament Complex, Lok Sabha Shri Om Birla said that civil servants have an important role to play in the development of the country. As such, they have to keep in mind that their decisions will have an impact on the lives of the common man, Shri Birla observed.

He called upon the young civil servants that their efforts should be focused on bringing about a change in the life of the last person in the society. He stressed that when India is celebrating the centenary year of its independence in the year 2047, we should be at the top of the world on all parameters, India should lead the world as an empowered, strong and prosperous nation. He said that as an administrative officer, it is their duty to do their best to realize this vision.

Noting that the role of administrative officers is important in the enactment of laws, he suggested that public servants study the old laws, see which laws are no longer relevant with the times today and which need to be changed. They can make changes in such laws or even repeal them, if necessary, keeping in view the convenience of the common man, Shri Birla felt.

Shri Birla further said that the biggest goal of India of the 21st century is that of self-reliant India, of modern India, of prosperous India, of strong India and of a strong India. He advised that when civil servants work in the field, they will get a real feel. He said that the motto of their success would be to try to add more and more people in their actions, add more and more social organizations. Shri Birla emphasized that even the last person of the society should be a part of their efforts, he should also feel that he is an important part of the society. Shri Birla opined that for success in a country like India, people's participation within our democratic system should be the basis of our development. People's participation is not only for democratic institutions but also for administrative institutions too. It should be our endeavor to see how we increase public participation in governance and how we connect the people with the policies and programmes being made for them, Shri Birla said.

Lok Sabha Speaker further said that it is a matter of great solace for civil servants that today the importance of technology has become so great that it is being used more and more in every field of our lives. In the last 200 years, technology has not created as much impact on mankind as it has in the last 40 years. Technology is also being used in governance. He said that the benefit should be given to the last person by making full use of this facility.

181 probationers of 2021 batch of IAS and 2 trainee officers of Royal Bhutan Civil Service are participating in the Orientation programme.